Implementation of Right to Education upto Graduation Level

श्री अनिल फिरोजिया (उज्जैन) : सभापति महोदया जी, धन्यवाद । मैं आपके माध्यम से यशस्वी प्रधान मंत्री श्रीमान् नरेन्द्र मोदी जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने इस देश में राइट टू एजुकेशन को लागू किया ।

माननीय प्रधान मंत्री जी बच्चों के प्रति बड़े संवेदनशील हैं । राइट टू एजुकेशन में एक समस्या दिख रही है । इसमें यह देखने में आ रहा है कि पहली क्लास से आठवीं क्लास तक के बच्चों को मुफ्त शिक्षा दी जा रही है । जिन बच्चों को होटलों, किसी दुकान या कहीं भी वे काम करते हैं, मजूदरी करते हैं, हम वहां से उठाकर लाते हैं और उनको अच्छे स्कूलों में पढ़ाते हैं, लेकिन आठवीं कक्षा के बाद उस बच्चे की फीस नहीं भर पाते हैं । उनके माता-पिता फीस भरने में असमर्थ रहते हैं तो वे बच्चे स्कूल जाने से वंचित रह जाते हैं । इससे उनकी आगे की पढ़ाई रुक जाती है और इस वजह से वे बच्चे नहीं पढ़ पाते हैं । अच्छे स्कूलों में जाने के कारण वे काम करने में भी शर्माने लगते हैं । वे न उधर के रहते हैं, न इधर के रहते हैं ।

माननीय सभापति महोदया, मेरा आपके माध्यम से माननीय प्रधान मंत्री जी से अनुरोध है, विनती है कि राइट टू एजुकेशन को वे अनिवार्य रूप से ग्रेजुएशन तक अनिवार्य करें, ताकि जैसा माननीय प्रधान मंत्री जी चाहते हैं कि बच्चों का भविष्य उज्जवल हो और वे शिक्षित हों तथा आगे उनको रोजगार के अवसर मिलें, वैसा हो सके । मुझे पूर्ण विश्वास है कि अति संवेदनशील प्रधान मंत्री जी मेरे इस अनुरोध को स्वीकार करेंगे और राइट टू एजुकेशन को ग्रेजुएशन तक करने की कृपा करेंगे । आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका दिल की गहराइयों से बहुत-बहुत धन्यवाद प्रेषित करता हूं ।